विश्व न्याय मन्दिर

बेशक, आशीर्वादित सौन्दर्य के अनुयायी के लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके द्वारा प्रतिपादित आध्यात्मिक आदर्शों के लिए हृदयों को लालायित रहना चाहिए। तथापि हम इसे मर्मस्पर्शी पाते हैं कि, एक वर्ष में जब मानवता की सामूहिक प्रगति की संभावनाएं बिरले ही पहले कभी इतनी अधिक धुंधली दिखाई दी हों, दस हजार से अधिक सम्मेलनों में प्रभुधर्म का प्रकाश आश्चर्यजनक दीप्ति के साथ चमका जिसमें लगभग पंद्रह लाख लोगों ने भाग लिया, और उन्हीं आदर्शों को बढ़ावा देने के साधनों पर ध्यान केंद्रित किया। —रिज़वान 2023

मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.06 2023
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA
वर्ष : 59 अंक 06 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
जून 2023 बहाई वर्ष : 180

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा

निम्नलिखित मित्रगण वर्ष 2023–2024 के लिए राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित किए गए हैं :

डॉ. ललिता शर्मा अनंत
सुश्री नाज़नीन रौहानी
श्री लतीफ रशीद
डॉ. मंगेश तेली
डॉ. आर. एस. यादव
डॉ. मयूरी मोहाजर
श्री दिनेश राव
श्रीमती कविता पवार
डॉ. एहलाम मोहाजर

राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, डॉ. ए. के. मर्चेंट और डॉ. नेसन ओल्याई द्वारा इस संस्था पर दी गई उनकी दशकों की सेवा के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करती है और उनके उत्तम भविष्य की कामना करती है।

बिहार में आयोजित गतिविधियाँ

• बिहार के दुल्हिन बाजार क्लस्टर के गुलालचक समुदाय में 25 मई, 2023 को स्थानीय आध्यात्मिक सभा के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया किया, जिसमें मित्रों ने स्थानीय सभा से संबंधित दस्तावेज का अध्ययन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से 4 स्थानीय सभा क्रमशः मुद्रिका, सिही, नखरोल बेधोली एवं देवरिया के सदस्य शामिल हुए। राज्य बहाई परिषद सचिव व सहायक मंडल सदस्य की उपस्थिति में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का संचालन किया गया।

• 'बाब का उद्‌घोषणा दिवस' कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह एवं प्रसन्नता के साथ 23 मई 2023 की संध्याकाल में बहाई भवन पटना में मनाया गया। मित्रों ने बाब के जीवन के बारे में विस्तृत रूप से लोगों को बताया। गीत–संगीत के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी लोगों ने भरपूर आनन्द लिया। स्थानीय आध्यात्मिक सभा पटना की देख–रेख में कार्यक्रम का संचालन किया गया, जिसमें 30–35 मित्रों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनन्द लिया।

• हुकूकुल्लाह विषय पर आधारित 'दृढ़ीकरण कक्षा' का

शेष पृष्ठ 2 पर



स्थानीय सभा के उन्मुखीकरण कार्यक्रम के मित्रगण

इस अंक में

झारखण्ड में बिहारशरीफ लर्निंग साईट सेमिनार का आयोजन

झारखण्ड के जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में किशोर कार्यक्रम से सम्बंधित सेमिनार का आयोजन बिहारशरीफ लर्निंग साईट के मार्गदर्शन में किया गया। इस सेमिनार में बिहार, ओडिशा, झारखण्ड के मित्रों ने भाग लिया, जिसमें लगभग कुल 29 प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें लर्निंग साईट के रिसोर्स पर्सन, बिहार से 12, ओडिशा से 5, बंगाल के रिसोर्स पर्सन तथा जमशेदपुर के प्रतिभागी शामिल हुए। इस बैठक में सहायक मंडल सदस्य भी शामिल हुए। सेमिनार कुछ मुख्य उद्देश्यों पर आधारित था जिसमें शामिल थे – किशोरों पर मल्टीमीडिया का सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव तथा इसको दूर करने के उपाय, किशोरों के अभिभावकों को किशोर कार्यक्रम की जानकारी एवं उनके बच्चों के परिवर्तनों को पहचानना, अनुप्रेरक बैठक की नियमितता एवं उसकी गुणवत्ता के संदर्भ में सीखना, अभिभावक बैठक इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण विषयों को केंद्र में रखते हुए सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में किशोर कार्यक्रम की पुस्तक पवित्रात्मा की शक्ति का भी अध्ययन पूरा किया गया। इस सेमिनार के दौरान अध्ययन के साथ–साथ जमशेदपुर के कुछ ग्रहणशील समुदाय जैसे बिरसानगर, कदमा, रामजनम नगर, बगुन्हातु तथा छायानगर में सीखों के आधार पर दल बनाकर भ्रमण किया गया। 7 दलों की सहायता से इन समुदायों में किशोर समूह, अभिभावक बैठक तथा अनुप्रेरक बैठक का भ्रमण किया गया, जिसमें प्राप्त की गईं अन्तर्दृष्टियों के आधार पर अगले दिन समीक्षा की जाती थी और उसके आधार पर आवश्यक कमियों को दूर करने हेतु रणनीतियों की सूचना स्थानीय संयोजकों को दी जाती थी। इस सेमिनार के दौरान गीत–संगीत एवं कलाओं का भी खूब आनंद उठाया गया। ज्ञात हो की झारखण्ड में इस प्रकार का यह पहला सेमिनार है जो आयोजित किया गया है। इस सेमिनार से जमशेदपुर के समुदायों को एक नई प्रेरणा मिली है दूसरे राज्यों के अनुभवों से स्थानीय अनुप्रेरक काफी प्रभावित हुए हैं।



जमशेदपुर में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

सूचना

प्रिय मित्रगण,

आपको सूचित किया जाता है कि महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल द्वारा श्री प्रिंस कुमार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली एवं उत्तराखण्ड का सहायक मण्डल सदस्य (प्रसार) नियुक्त किया गया है। इनका कार्यकाल 9 मई, 2023 से 26 नवम्बर, 2026 तक रहेगा।

भारत की महामहिम राष्ट्रपति से बहाई प्रतिनिधियों की भेंट



भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के प्रतिनिधियों ने 10 मई, 2023 को मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान भारतीय बहाई समुदाय की ओर से उन्हें शुभकामनाएँ दी गईं। साथ ही, उन्हें दिल्ली स्थित बहाई उपासना मन्दिर में आने का निमंत्रण भी दिया गया। राष्ट्रपतिजी ने बताया कि वे बहुत पहले मंदिर का दर्शन कर चुकी हैं और दोबारा मंदिर आने पर उन्हें प्रसन्नता होगी। इसके अलावा, महामहिम राष्ट्रपति को भारत के बहाई समुदाय द्वारा देश हित और समाज कल्याण में कई सहयोगियों और शुभचिंतकों के साथ मिलकर किए जा रहे कार्यों के बारे में भी बताया। महामहिम राष्ट्रपति को मार्बल का बना मंदिर का प्रतीक चिह्न भेंट किया गया, जिसे देखकर उन्होंने कहा कि हमें शांति और ईश्वर का सामीप्य मंदिर में मिलता है। हमें ईश्वर पर विश्वास रखना चाहिए क्योंकि वह हमारा दाता है।

नए संसद भवन में बहाई प्रार्थना



भारत के नए संसद भवन का उद्‌घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 28 मई, 2023 को किया गया। समारोह के दौरान सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्मों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस सर्वधर्म प्रार्थना सभा में भारतीय बहाई समुदाय के प्रतिनिधि को भी आमंत्रित किया गया, जिन्होंने बहाउल्लाह की "एकता की प्रार्थना" का पाठ किया।

बिहार में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

आयोजन बहाई भवन पटना में 17 मई 2023 को किया गया। लयबद्ध प्रार्थना के उपरांत कक्षा में विशेष विस्तृत जानकारी साझा की। दृढ़ीकरण कक्षा में लगभग 30 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभागिता



हुकूकुल्लाह कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

रूप से उपस्थित हुए हुकूकुल्लाह की उपन्यासी ने मित्रों को प्रस्तुति के माध्यम से हुकूकुल्लाह से संबद्ध दर्ज की। इस कक्षा में चयनित स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य भी विशेष रूप से आमंत्रित थे।

बहाई विवाह



आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के सुनकेसुला गांव के श्री बोया रामंजनेयुलू और सुश्री बी. सुनीता का विवाह स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के अनुसार 10 फरवरी, 2023 को सम्पन्न हुआ।



भोपाल के श्री शुभम निकम और महाराष्ट्र, भिवंड़ी की सुश्री मोना चौहान का विवाह स्थानीय आध्यात्मिक सभा भिवंड़ी के तत्वावधान में 6 मई, 2023 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



हैदराबाद, तेलंगाना के श्री एल. कार्तिक कुमार और सुश्री एल. गीता का विवाह बहाई विधिविधान के अनुसार 7 मई, 2023 को स्थानीय आध्यात्मिक सभा हैदराबाद के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।



बानमोर, मध्य प्रदेश के बहाई श्री लालू प्रसाद और ग्वालियर की सुश्री उमा कुशवाह का विवाह 10 मई, 2023 को स्थानीय बहाई आध्यात्मिक सभा फूलपुर के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के साथ सम्पन्न हुआ।

विश्व न्याय मंदिर

रिज़वान 2023

विश्व के बहाईयों को संबोधित

परम प्रिय मित्रों,

हम एक ऐसे समुदाय को संबोधित करते हुए अत्यंत आनंद अनुभव कर रहे हैं जिसकी उच्च मनोवृत्ति और उच्च संकल्प इसके उच्च आह्वान के अनुकूल हैं। कितना महान, अत्यंत ही महान है आपके लिए हमारा प्रेम और कैसे हमारी भावनाएँ ऊँची उड़ान भरने लगती हैं, जब हम बहाउल्लाह की शिक्षाओं पर आधारित जीवन जीने और उनके प्रकटीकरण के जीवनदायी जल को एक गंभीर रूप से प्यासे विश्व को प्रदान करने के आपके ईमानदार एवं समर्पित प्रयास को देखते हैं। आपके उद्देश्य की प्रबल भावना स्पष्ट है। प्रसार एवं सुगठन, सामाजिक क्रिया और समाज के संवादों में भागीदारी तेजी से आगे बढ़ रही है, और समुदाय–समूहों के स्तर पर इन उपक्रमों की स्वाभाविक सुसंगतता सतत अधिक स्पष्ट होती जा रही है। यह उन स्थानों से अधिक कहीं और स्पष्ट नहीं है जहां बढ़ती संख्या में लोग प्रयासों की एक श्रृंखला में संलग्न हो रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक प्रभुधर्म की समाज–निर्माण शक्ति को निर्मुक्त करने का एक साधन है।

इन बारह महीनों में, जो नौ वर्षीय योजना के आरंभ से अब तक बीत चुके हैं, हमें यह देखकर प्रसन्नता हुई है कि किस प्रकार इस वैश्विक आध्यात्मिक उद्यम ने मित्रों को प्रेरित किया है एवं ऊर्जा से भर दिया है, और कार्य की विशिष्ट रूपरेखाओं को संवेग दिया है। तत्काल ध्यान केन्द्रित किया गया है, उन योजनाओं को लागू करने पर, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि प्रत्येक देश और क्षेत्र में, कम से कम एक समुदाय–समूह उभरे जहां तीसरा मील का पत्थर पार कर लिया गया हो; ऐसा स्थान जहां बड़ी संख्या में लोग एक साथ काम कर रहे हैं और एक जीवंत समुदाय के जीवन में योगदान दे रहे हैं। यद्यपि, इसके प्रति सजग रहते हुए कि इस पच्चीस वर्ष की अवधि का लक्ष्य विश्व के हर समुदाय–समूह में सघन विकास कार्यक्रम स्थापित करना है, अनुयायियों ने प्रभुधर्म के लिए नए समुदाय–समूहों को खोलने के साथ–साथ मौजूदा विकास कार्यक्रम वाले स्थानों पर अपने प्रयासों को तेज करना भी तय किया है। विश्व के सभी भागों में पायनीयरों के लिए उभरते अवसरों के संबंध में जागरूकता बढ़ी है – अनेक समर्पित आत्माएँ इस बात पर विचार कर रही हैं कि वे इस अवसर का प्रत्युत्तर कैसे दे सकती हैं, और अनेक अन्य लोग पहले ही पायनीयरिंग के स्थानों पर पहुँच गए हैं, अच्छी संख्या में होमफ्रंट पर, साथ ही बढ़ती संख्या में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी। यह उन अनेक तरीकों में से एक है जिसके द्वारा, जैसा कि हमने आशा की थी, हर जगह के मित्रों द्वारा पारस्परिक समर्थन की भावना व्यक्त की जा रही है। जिन समुदायों में शक्ति का निर्माण हो गया है, वे अपने आप को एक अलग स्थान में – एक अन्य समुदाय–समूह, क्षेत्र, देश, यहां तक कि महाद्वीप में भी – हो रही प्रगति का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध कर चुके हैं; और रचनात्मक साधन दूर से प्रोत्साहन देने और अनुभव को प्रत्यक्ष साझा करने में सक्षम पाए गए हैं। इस बीच, एक समुदाय–समूह में अर्जित सीख को सँजोने के मूल विधि का व्यापक रूप से व्यवहार में लाया जाता है, ताकि यह वहां के और अन्य स्थानों के योजना निर्माण को सूचित कर सके। हम यह देखकर कृतार्थ हुए हैं कि यह सीखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाले शैक्षिक अनुभव की गुणवत्ता में कैसे वृद्धि की जाए। जब संस्थान प्रक्रिया एक समुदाय में जड़ें जमा लेती है, तो इसके प्रभाव नाटकीय होते हैं। गवाह हैं, उदाहरण के लिए, सघन गतिविधि के वे केन्द्र, जहां के निवासी प्रशिक्षण संस्थान को अपने एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में मानने लगे हैं; एक ऐसा उपकरण जिसके सशक्त विकास की जिम्मेदारी उन्होंने प्रमुखता से संभाल ली है। यह अच्छी तरह जानते हुए कि प्रभुधर्म के द्वार सदैव पूर्णतया खुले रहते हैं, अनुयायी यह सीख रहे हैं कि जो लोग प्रवेश करने के लिए तैयार हैं उन्हें कैसे प्रोत्साहित किया जाए। ऐसी आत्माओं के साथ–साथ चलना, और उन्हें दहलीज पार करने में मदद करना, एक सौभाग्य और एक विशेष आनंद है, प्रत्येक सांस्कृतिक संदर्भ में पहचानने और अपनाने के इस प्रतिध्वनित क्षण की गतिशीलता के बारे में बहुत कुछ सीखा जाना है। और बस इतना ही नहीं है। जबकि अनेक समुदाय–समूहों में सामाजिक रूपांतरण में योगदान करने के प्रयास अपने प्रारम्भिक चरण में हैं, सदैव की भांति सलाहकारों द्वारा कुशलतापूर्वक समर्थित राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाएँ, इस संबंध में अधिक सीखने की सक्रिय कोशिश कर रही हैं कि ये प्रयास समुदाय–निर्माण प्रक्रिया से कैसे उभरते हैं। परिवारों के समूहों और समुदायों में लोगों के सामाजिक और भौतिक कल्याण के बारे में चर्चा को बढ़ावा दिया जाता है, साथ ही मित्र अपने नजदीकी परिवेश में अनावृत हो रहे सार्थक संवादों में सहभागिता के तरीके भी खोज रहे हैं।

जो कुछ भी हमने वर्णन किया है, उसके मध्य युवाओं के कार्य प्रदीप्त होते हैं। प्रभाव सौम्य हो या अन्यथा – प्रभाव के केवल निष्क्रिय अवशोषक होने से परे – उन्होंने स्वयं को योजना का निर्भीक और विचारशील नायक सिद्ध कर दिया है। जहां समुदाय ने उन्हें इस प्रकाश में देखा है और उनकी प्रगति के लिए परिस्थितियाँ बनाई हैं, वहाँ युवाओं ने उनमें दिखाए गए भरोसे को कहीं अधिक उचित ठहराया है। वे अपने मित्रों को प्रभुधर्म की शिक्षा दे रहे हैं और सेवा को अधिक सार्थक मित्रता का आधार बना रहे हैं। अक्सर, ऐसी सेवा अपने से छोटों को शिक्षित करने का रूप लेती है – उन्हें न केवल नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि अक्सर उनकी स्कूली शिक्षा में भी सहायता करते हैं। संस्थान प्रक्रिया को मजबूत करने के पवित्र उत्तरदायित्व धारण किए, बहाई युवा हमारी सँजोई आशाओं को पूरा कर रहे हैं।

इन सभी प्रयासों के लिए परिस्थितियाँ एक गहन रूप से अस्थिर अवस्था में हैं। इस बात को व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है कि समाज की वर्तमान संरचनाएँ मानवता की समस्याओं का निराकरण करने हेतु तैयार नहीं है। बहुत कुछ जिसे व्यापक रूप से निश्चित और अडिग माना जाता था, उस पर प्रश्न उठाया जा रहा है, और परिणामी विक्षुब्धता सभी को एक करने वाली दृष्टि की लालसा पैदा कर रही है। एकता, समानता और न्याय के समर्थन में उठाई गई आवाजों का सामूहिक स्वर दर्शाता है कि कितने लोग अपने समाज के लिए इन आकांक्षाओं को साझा करते हैं। बेशक, आशीर्वादित सौन्दर्य के अनुयायी के लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके द्वारा प्रतिपादित आध्यात्मिक आदर्शों के लिए हृदयों को लालायित रहना चाहिए। तथापि हम इसे मर्मस्पर्शी पाते हैं कि, एक वर्ष में जब मानवता की सामूहिक प्रगति की संभावनाएँ बिरले ही पहले कभी इतनी अधिक धुंधली दिखाई दी हों, दस हजार से अधिक सम्मेलनों में प्रभुधर्म का प्रकाश आश्चर्यजनक दीप्ति के साथ चमका जिसमें लगभग पंद्रह लाख लोगों ने भाग लिया, और उन्हीं आदर्शों को बढ़ावा देने के साधनों पर ध्यान केंद्रित किया। बहाउल्लाह की दृष्टि, और विश्व की बेहतरी हेतु एकता के साथ काम करने के लिए मानवजाति को उनका आवाहन, वह केंद्र था जिसके चारों ओर समाज के विविध तत्व उत्सुकता से एकत्र हुए – और कोई आश्चर्य नहीं, जैसा 'अब्दुल बहा' ने समझाया, "विश्व का हर समुदाय इन दिव्य शिक्षाओं में अपनी उच्चतम आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति पाता है।" मानवता के कुछ शुभचिंतक प्रारंभ में ध्रुवीकृत और लकवाग्रस्त विश्व से परे एक आश्रय पाने के लिए शरणस्थली के रूप में बहाई समुदाय के प्रति आकर्षित हो सकते हैं। तथापि, एक शरणस्थली से आगे, वे पाते हैं कि ये आत्माएँ कुटुम्ब की तरह एक साथ मिलकर विश्व के नवीन निर्माण के लिए श्रम कर रही हैं।

सम्मेलनों के भौगोलिक विस्तार के बारे में बहुत कुछ लिखा जा सकता है, नई योजना को उन्होंने जो असाधारण प्रोत्साहन दिया, अथवा इसमें सम्मिलित होने वालों के हृदय से प्रसन्नता और उत्साह की जो अभिव्यक्ति हुई। लेकिन इन कुछ पंक्तियों में हम ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं कि उन्होंने प्रभुधर्म के विकास के बारे में क्या महत्व दर्शाएँ हैं। वे उस बहाई समुदाय के प्रतिबिम्ब थे जो भेद नहीं, एक दूसरे को कुटुम्ब के रूप में देखता है। इस दृष्टिकोण ने सम्मेलनों में, जहाँ सभी का स्वागत था, नौ वर्षीय योजना का संधान करना स्वाभाविक बना दिया। मित्रों ने न केवल व्यक्तियों और परिवारों, बल्कि स्थानीय नेताओं और अधिकारियों की संगति में अपने समाज के लिए योजना के निहितार्थों पर विचार किया। इतने सारे लोगों को एक साथ एक स्थान पर लाने से विश्व भर में अनावृत हो रही आध्यात्मिक और सामाजिक प्रगति के बारे में एक रूपांतरकारी वार्तालाप के लिए परिस्थितियाँ उत्पन्न हुईं। एक समुदाय समूह में सामुदायिक विकास के एक विस्तारित होते पैटर्न के लिए इस तरह के खुले विचारों वाले, उत्थानकारी और उद्देश्यपूर्ण

शेष पृष्ठ 4 पर

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
Delhi P.S.O. Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23

मध्य प्रदेश की गतिविधियाँ

• मध्य प्रदेश में भोपाल समुदाय के इन्द्रपुरी, सोनागिरी और बागसेवनिया क्षेत्र के युवाओं के लिए 11 से 14 मई 2023 तक एक चार दिवसीय रूही अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें समुदाय के तीन क्षेत्रों से 17 युवा मित्रों ने भाग लिया। इनमें से लगभग 12 युवा मित्रों ने रूही पुस्तक एक 'दिव्य जीवन एक चिंतन' का अध्ययन पूर्ण किया। इस अभियान के दौरान भोपाल की स्थानीय संस्था एवं एजेंसियों के मित्रों ने इस अभियान को सफल बनाने हेतु पूरे आनंद और उत्साह के साथ भौतिक व्यवस्थाओं को बनाने में अपना पूर्ण योगदान दिया। मित्रों द्वारा तीन क्षेत्रों से अभियान में भाग लेने के लिए न सिर्फ युवाओं को आमंत्रित किया गया, बल्कि अध्ययन के दौरान इन चार दिनों में उनके लिए चाय और भोजन आादि को उपलब्ध कराने में पूर्ण सहयोग दिया।

• खरगोन समुदाय के डालका गांव में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्यों के साथ उनके परिजन भी शामिल हुए।



रूही अभियान में भाग लेने वाले मित्रगण

• बानमोर समुदाय के फूलपुर, चक्कगांव में प्रार्थना सभाओं का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है, इनमें वहां के स्थानीय मित्र बड़े ही आनंद और उल्लास के साथ भाग लेते हैं।



बानमोर में आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लेने प्रतिभागी

• बदवार समुदाय में स्थानीय आध्यात्मिक सभा की ओर से एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के अन्य मित्रों ने भी भाग लिया।

पृष्ठ 3 का शेष

सम्मेलनों का विशेष योगदान हो सकता है, वह बहाई संस्थाओं के लिए भविष्य में ध्यान में रखने के लिए एक मूल्यवान सबक है।

और इस प्रकार निष्ठावानों की मंडली योजना के दूसरे वर्ष में, वे क्या प्राप्त करना चाहते हैं, की सार्थकता के प्रति एक नवीन दृष्टिकोण और गहन अंतर्दृष्टि के साथ प्रवेश करती है। समाज–निर्माण की शक्ति निर्मुक्त करने के प्रकाश में देखे जाने पर कार्य कितने अलग से दिखते हैं। यह व्यापक संभावना एक सतत चलती गतिविधि को सेवा के एक अकेले कार्य या मात्र आंकड़ों से कहीं अधिक देखने की अनुमति देती है। जगह–जगह पर की जा रही पहलों से पता चलता है कि एक जन–समुदाय सीख रहा है कि अपने स्वयं के विकास के पथ पर आगे बढ़ने की बढ़ती जिम्मेदारी को कैसे उठाई जाए। परिणामी आध्यात्मिक और सामाजिक रूपांतरण लोगों के जीवन में अनेक प्रकार से प्रकट होता है। पिछली योजनाओं की श्रृंखला में इसे आध्यात्मिक शिक्षा और सामूहिक उपासना के प्रवर्तन के रूप में सर्वाधिक स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था। योजनाओं की इस नई श्रृंखला में, अन्य प्रक्रियाओं पर बढ़ते रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है जो एक समुदाय के जीवन को बेहतर करने का प्रयास करती है – उदाहरण के लिए, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करने, पर्यावरण की रक्षा करने, या कलाओं की शक्ति का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने के द्वारा। एक समुदाय की भलाई के इन सभी पूरक पहलुओं को आगे बढ़ाने के लिए निश्चित रूप से आवश्यक है, इन सभी क्षेत्रों में व्यवस्थित सीख में संलग्न होने की क्षमता – एक क्षमता जो दैवीय शिक्षाओं और वैज्ञानिक जांच से उत्पन्न मानव ज्ञान के संचित भंडार से उत्पन्न होने वाली अंतर्दृष्टि को आकर्षित करती है। जैसे–जैसे यह क्षमता बढ़ेगी, आने वाले दशकों में बहुत कुछ प्राप्त किया जाएगा।

इस विस्तारित, समाज–निर्माण दृष्टि के दूरगामी निहितार्थ हैं। प्रत्येक समुदाय इसकी प्राप्ति के लिए अपने स्वयं के पथ पर है। किन्तु एक क्षेत्र की प्रगति में बहुधा दूसरे क्षेत्र की प्रगति के साथ समान विशेषताएँ होती हैं। एक विशेषता यह है कि, जैसे–जैसे क्षमताएँ बढ़ती हैं और एक स्थानीय या राष्ट्रीय समुदाय की शक्तियाँ गुणित होंगी, तब समय आने पर, हमारे रिज़वान 2012 संदेश में वर्णित, एक मशरिकुल–अजकार के उद्‌भव के लिए आवश्यक शर्तें अंततः पूरी हो जाएंगी। जैसा कि हमने आपको पिछले रिज़वान के अपने संदेश में निर्दिष्ट किया था, हम समय–समय पर उन स्थानों की पहचान करेंगे जहाँ एक बहाई मंदिर का निर्माण किया जाना है। हमें इस समय, कंचनपुर, नेपाल और म्यूनिलुंगा, जाम्बिया में स्थानीय उपासना गृहों की स्थापना का आह्वान करते हुए प्रसन्नता हो रही है। इसके अतिरिक्त, हम कनाडा में टोरंटो में लंबे समय से स्थापित राष्ट्रीय हजरतुल–कुदस के समीप क्षेत्र में एक राष्ट्रीय उपासना गृह बनाने का आह्वान करते हैं। ये परियोजनाएँ और भविष्य में शुरू की जाने वाली अन्य परियोजनाएँ, प्रत्येक भूमि में मित्रों द्वारा मंदिर–कोष को प्रदान की गई सहायता से लाभान्वित होंगी।

प्रचुर हैं वे आशीर्वाद जो एक परम–उदार स्वामी ने अपने प्रियजनों को प्रदान करने के लिए चुने हैं। बुलंद है आह्वान, भव्य हैं संभावनाएँ। अल्प है समय जिसमें हम सभी का सेवा करने के लिए आह्वान किया गया है। भावोत्तेजित हैं वे प्रार्थनाएँ, जिनके द्वारा, आपकी ओर से और आपके अथक प्रयासों के लिए, बहाउल्लाह की दहलीज पर हम याचना करते हैं।

—विश्व न्याय मंदिर

कुल पृष्ठ संख्या–4 बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.06.2023
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg, New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)